SANJAY
STORE TEXTILES
Dara Market, Johari Bazar &
Tonk Road, Paanch Batti JAIPUR
2570847

अक्टूबर 04, 2025

If undelivered,
Pl. return to
रमन अग्रवाल (संपादक)
हैल्थ व्यू : 170/3,
रामगली, राजापार्क
जयपुर-302004
मो. 98290-66272

राष्ट्रस्तरीय पाक्षिक पत्रिका

HEALTH VIEW हैल्थ व्यू

चाय, नमकीन, सुपारी, मसाले, पाउडर इत्यादि की पैकिंग के लिए
ऑटोमेटिक पाउच पैकिंग मशीनें
सुरेंद्र कुमार एण्ड कंपनी
2368358, 2378231 मो. 9829013384
खंडेलवाल स्कूल बिल्डिंग, स्टेशन रोड, जयपुर

सरकारी विज्ञापनों के लिए
मान्यता प्राप्त

विशेष वार्षिक सदस्यता-500/-* 1100/-* सहयोग-2100*/- विशेष सहयोग 3100*/-

कैंसर एवं गंभीर बीमारियों की रोकथाम में प्रयासरत संस्थान

वर्ष 24 अंक 16 हिन्दी/अंग्रेजी पृष्ठ 4 प्रति-2 रु., जयपुर 04 अक्टूबर, 2025

अस्थमा और COPD नियंत्रण के लिए
एलर्जी प्रबंधन और नाक की स्वच्छता जरूरी

'ईएनटी विशेषज्ञ डॉ पांडे ने जोर देते हुए कहा है कि अस्थमा और COPD का केवल दवाइयों से नहीं बल्कि श्वसन तंत्र को प्रभावित करने वाली नाक-गले की बीमारियों को नियंत्रित करने से ही रोगियों की जीवन गुणवत्ता में सुधार संभव है।'

डॉक्टर सुधांशु अनंत पांडे
79766 09972

राजस्थान के प्रसिद्ध ईएनटी (कान, नाक और गला) विशेषज्ञ डॉ सुधांशु अनंत पांडे ने अस्थमा और COPD के मरीजों के लिए अहम सलाह दी कि नाक और गले की बीमारियाँ जैसे एलर्जिक राइनाइटिस, क्रोनिक राइनोसिनुसाइटिस और बार-बार होने वाले सर्दी-जुकाम फेफड़ों पर दबाव बढ़ाकर अस्थमा और COPD के लक्षणों को गंभीर बना सकते हैं।

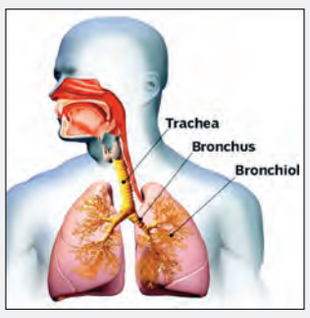

डॉ पांडे के अनुसार, इन बीमारियों का समय पर और सही तरीके से इलाज करने से न केवल सांस लेने में आसानी होती है बल्कि लंबे समय तक फेफड़ों की कार्यप्रणाली भी सुरक्षित रहती है।

एलर्जिक राइनाइटिस का उचित प्रबंधन करने से सांस की नलियों में सूजन और जाम कम होता है। नाक और साइनस संक्रमण का तुरंत उपचार करने से अस्थमा के एक्सेसर्बेशन (लक्षणों का अचानक बिगड़ना) रोका जा सकता है।

नाक की नियमित स्वच्छता और एलर्जी से बचाव के उपाय अपनाने से COPD और अस्थमा दोनों पर बेहतर नियंत्रण पाया जा सकता है।

अब घुटने के दर्द को गायब करने की नई तकनीक

शैलबी हॉस्पिटल के इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर राकेश कुमावत का कहना है कि अब घुटनों के दर्द के लिए सालों तड़पना नहीं पड़ेगा ऐसी नई तकनीक का ईजाद हुआ है कि एक दिन में घुटने का दर्द छू मंतर

जेनिक्युलर नर्व ब्लॉक (Genicular Nerve Block) एक मिनिमली इनवेसिव प्रोसीजर है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से घुटने के पुराने दर्द (chronic knee pain) के प्रबंधन में किया जाता है। यह तकनीक विशेष रूप से उन मरीजों के लिए उपयुक्त है जिन्हें ऑस्टियोआर्थराइटिस (Osteoarthritis) या घुटने की सर्जरी (जैसे टोटल नी रिप्लेसमेंट) के बाद भी दर्द की समस्या बनी रहती है और

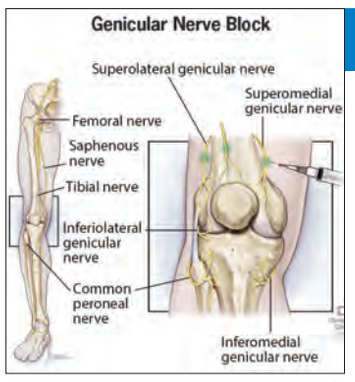

जो लंबे समय तक दवाइयाँ लेने या बड़ी सर्जरी कराने के इच्छुक नहीं हैं। ऐसे मरीज जिन्हें लगातार घुटनों में जकड़न, सूजन और दर्द रहता है तथा जिनकी जीवनशैली प्रभावित हो चुकी है, वे इस प्रक्रिया से लाभान्वित हो सकते हैं।

जेनिक्युलर नर्व ब्लॉक तकनीक : एक न्यूनतम इनवेसिव उपचार

प्रोसीजर कैसे किया जाता है

इस तकनीक में अल्ट्रासाउंड या फ्लोरोस्कोपी (X-ray गाइडेंस) की मदद से घुटने के आसपास की जेनिक्युलर नर्व्स को विशेषज्ञ के द्वारा पहचाना जाता है। उसके बाद इन नर्व्स के पास कुछ स्पेसिफिक मेडिसिन इंजेक्ट की जाती है। यह इंजेक्ट प्रोसीजर दर्द रहित भी है। इससे दर्द संकेत (pain signals) को दिमाग तक पहुँचने से रोका जाता है। यह प्रक्रिया सामान्यतः आउट पेशेंट सेटिंग में की जाती है, इसमें किसी चीर-फाड़ व हॉस्पिटल स्टे की जरूरत नहीं होती।

क्या है फायदे

- तुरंत और लंबे समय तक दर्द से राहत
- चलने-फिरने और रोज़मर्रा की गतिविधियों में आसानी
- दवाइयों और दर्द निवारक इंजेक्शनों पर निर्भरता कम होना
- बड़ी सर्जरी टालने या देर तक टालने की संभावना
- सुरक्षित, न्यूनतम जटिलताओं वाला और तेज़ रिकवरी देने वाला तरीका

क्या है महत्वपूर्ण

'जेनिक्युलर नर्व ब्लॉक उन मरीजों के लिए आशा की किरण है जिनका जीवन घुटनों के पुराने दर्द से सीमित हो चुका है। यह तकनीक न केवल दर्द को कम करती है बल्कि मरीजों को सक्रिय और स्वतंत्र जीवन जीने में मदद करती है। इस वजह से इसे आधुनिक दर्द प्रबंधन की प्रभावी और सुरक्षित विधि माना जा रहा है।'

संपर्क : डॉक्टर राकेश कुमावत
शेल्बी हॉस्पिटल जयपुर 7568 254140

घुटनों के दर्द के संबंध में ईटरनल हॉस्पिटल के वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक स्पेशलिस्ट डॉ. राजीव भार्गव की सलाह

घुटनों के दर्द में, विशेष रूप से गठिया (आर्थराइटिस) की समस्या में, आपको दौड़ने, सीढ़ियाँ बार-बार चढ़ने-उतरने और घुटने पर अधिक भार डालने वाली गतिविधियों से बचना चाहिए।

क्यों बचें : दौड़ने और सीढ़ियाँ चढ़ने-उतरने से घुटने के जोड़ पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। यदि जोड़ की कार्टिलेज (नरम गद्दी) घिस चुकी है, तो यह दबाव दर्द को बढ़ा सकता है और समस्या को और भी गंभीर कर सकता है।

क्या करें : इसके बजाय, आप ऐसे व्यायाम कर सकते हैं जिनमें घुटने पर कम भार पड़े, जैसे तैराकी, साइकिल चलाना (कम प्रतिरोध पर), या सपाट ज़मीन पर तेज़ चलना। ये गतिविधियाँ आपकी मांसपेशियों को मज़बूत बनाएंगी और जोड़ को सहारा देंगी, जिससे दर्द में राहत मिल सकती है।

मालिश और उपचार : मालिश की लाभदायक्ता

घुटने के दर्द में मालिश की भूमिका सीमित होती है। हल्की मालिश से मांसपेशियों में अस्थायी आराम मिल सकता है और रक्त संचार (blood circulation) बेहतर हो सकता है, लेकिन यह जोड़ के अंदरूनी नुकसान (जैसे कार्टिलेज का घिसना) को ठीक नहीं कर सकती।

ध्यान दें : यदि घुटने में सूजन या तेज़ दर्द है, तो उस जगह पर मालिश करने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे सूजन बढ़ सकती है।

घुटनों के दर्द और गतिविधियाँ (दौड़ना, सीढ़ियाँ)

प्राथमिक उपचार और एडवांस तकनीक

डॉ. राजीव भार्गव

प्राथमिक उपचार : इसमें मुख्य रूप से आराम (Rest), बर्फ से सिकाई (Ice), कम्प्रेशन बैंडेज (Compression) और घुटने को थोड़ा ऊँचा उठाना (Elevation) शामिल है (जिसे RICE प्रोटोकॉल भी कहते हैं)। दर्द निवारक दवाइयाँ (Doctor's Consultation is must) और फिजियोथेरेपी भी शुरुआती उपचार का हिस्सा हैं।

आर्थोस्कोपी (Arthroscopy) : यह एक न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रिया है, जिसमें एक छोटे चीरे के माध्यम से कैमरा डालकर जोड़ की मरम्मत की जाती है।

जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी (Joint Replacement Surgery - TKR) : यह गंभीर आर्थराइटिस के लिए सबसे प्रभावी और एडवांस इलाज है, जिसमें घिसे हुए जोड़ को हटाकर कृत्रिम (artificial) जोड़ लगा दिया जाता है।

PRP और स्टेम सेल थेरेपी : ये कुछ उभरती हुई तकनीकें हैं जिनका उपयोग जोड़ों के दर्द के प्रबंधन में किया जा रहा है, हालांकि इनकी प्रभावशीलता बीमारी की स्थिति पर निर्भर करती है।

संदेश : घुटनों के दर्द में कोई भी कठोर गतिविधि शुरू करने या बंद करने से पहले परामर्श लेना अत्यंत आवश्यक है।

डॉ. राजीव भार्गव, इटरनल हॉस्पिटल 98290 15752

हार्ट ट्रांसप्लांट : जीवन बचाने की एक महान उपलब्धि
हार्ट ट्रांसप्लांट की ताकत से मिलती है नई धड़कन

मेडिकल साइंस ने आज जिस ऊँचाई को छुआ है, उसमें हार्ट ट्रांसप्लांट एक ऐसी उपलब्धि है जिसने हजारों लोगों को नई जिंदगी दी है। भारत में वर्तमान समय में लगभग 50,000 लोग हार्ट ट्रांसप्लांट के इंतजार में हैं, लेकिन हार्ट दाताओं की कमी के कारण कई लोगों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता। हर साल करीब 1,500 हार्ट ट्रांसप्लांट किए जाते हैं और इनमें से लगभग 90त्न सफल रहते हैं।

डॉ. आरिफ खान

इटरनल हॉस्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आरिफ खान का कहना है कि अगर दुर्घटनाओं या अन्य कारणों से ब्रेन डेड हुए व्यक्ति अंगदान का निर्णय लें, तो वे अनेक लोगों को जीवनदान दे सकते हैं।

एक हार्ट दाता का हृदय किसी एक व्यक्ति की जिंदगी बचाता है, जबकि उसके अन्य अंग जैसे लिवर, किडनी और लंग्स कई और मरीजों को नई उम्मीद दे सकते हैं। आंकड़े बताते हैं कि एक दाता के अंग कम से कम आठ लोगों को जीवन प्रदान कर सकते हैं। आज के दौर में हार्ट ट्रांसप्लांट केवल एक सर्जिकल प्रक्रिया नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। यह विज्ञान और संवेदनशीलता का ऐसा संगम है जो असमय मौत को मात देकर जीवन को आगे बढ़ाता है। डॉ. खान और उनकी टीम ने कई मरीजों को सफल हार्ट ट्रांसप्लांट कर जीवन का दूसरा अवसर दिया है।

जरूरत इस बात की है कि हम सभी अंगदान के महत्व को समझें, अपने परिवार और समाज में जागरूकता फैलाएं। हमारा छोटा-सा संकल्प किसी के जीवन की सबसे बड़ी उम्मीद बन सकता है।

अंगदान करें, जिंदगी बचाएं!
संपर्क-डॉ. आरिफ खान
+91 9652434964

'धूम्रपान छोड़ कर भी खतरा कम नहीं
प्रदूषण के बीच बढ़ रहा है फेफड़ों का कैंसर'

डॉ. ललित मोहन शर्मा

जयपुर, हैल्थ व्यू – महात्मा गांधी अस्पताल में प्रोफेसर व प्रसिद्ध कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. ललित मोहन शर्मा ने चेतावनी दी है कि लंबे समय तक सिगरेट सेवन करने वालों को, भले ही उन्होंने वर्ष पहले धूम्रपान छोड़ दिया हो, फेफड़ों के कैंसर और अन्य श्वसन रोगों का खतरा बना रहता है। वे कहते हैं : 'अगर किसी ने लगातार 30 साल तक धूम्रपान किया हो या फिर 15 साल पहले छोड़ दिया हो–उन्हें भी लंग्स कैंसर की संभावना होती है। धूम्रपान कैंसर का निमंत्रण है।' डॉ. शर्मा ने यह भी बताया कि वायु प्रदूषण इस खतरे को और बढ़ा रहे हैं। 'यह सोचना कि सिर्फ धूम्रपान करने वालों को ही कैंसर होता है – गलत है। कैंसर के अनेक कारण होते हैं, और धूम्रपान उनमें से एक है – जोखिम बढ़ाने वाला सबसे मजबूत कारण।'राष्ट्रीय कैंसर अनुमान 2022 भारत में 2022 में लगभग 14,61,427 नए कैंसर रोग पाये गए। फेफड़ों का हिस्सा फेफड़ों का कैंसर भारत में सभी कैंसर मामलों का लगभग 5.9 प्रतिशत है, तथा कुल कैंसर-निर्णय से होने वाली मौतों का 8.1 प्रतिशत है।

धूम्रपान एवं अन्य प्रकार टैबैकू से संबद्ध कैंसर

भारत में टैबैकू-संबंधित कैंसर (Tobacco-Related Cancers, TRC) पुरुषों में कुल कैंसर का लगभग 48.2 प्रतिशत और महिलाओं में लगभग 20.1 प्रतिशत हिस्सा है।

धूम्रपान से कैंसर जोखिम

स्मोक्ड और स्मोकलेस टैबैकू उपयोग दोनों ही कैंसर का जोखिम लगभग 2.7 गुणा बढ़ाते हैं।

सम्पर्क सूत्र : **डॉ. ललित मोहन शर्मा**
99286-02244

विजय दशमी की हार्दिक शुभकामनाएं
NEURO CARE HOSPITAL
& Research Center Pvt. Ltd.
Dr. NEMI CHAND POONIA
DIRECTOR
(MBBS, MS, Mch Neuro surgery
Vision of Excelence Mission to save Lives
न्यूरो एवं स्पाइन की विश्व स्तरीय अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा
न्यूरो एंडोस्कोपी द्वारा मस्तिष्क एवं स्पाइन के ऑपरेशन की सुविधा
15 बेड का गहन चिकित्सा इकाई विश्व स्तरीय मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर
नसों के रास्ते दिमाग की जटिल बीमारियों का इलाज
राजस्थान में प्रथम न्यूरो नेविगेशन सिस्टम के द्वारा ऑपरेशन की सुविधा
1/611 Sector 1, Vidhyadhar Nagar Jaipur
PH: 0141-2236712, 9983300286

विजय दशमी की हार्दिक शुभकामनाएं
कृष्णा हार्ट एंड जनरल हॉस्पिटल
डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार गर्ग
वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ
138, प्रेम निवास, पंडित टी.एन. मिश्रा रोड, स्वामी विहार, निर्माण नगर, गंगा जमुना पेट्रोल पम्प के पास, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर

जे के जे परिवार की ओर से दशहरा की हार्दिक शुभकामनाये
JKJ JEWELLERS
करें अपने परिवार का भविष्य
सुनहरा एवं सुरक्षित
स्वर्ण समृद्धि योजना
के साथ।
सोने को संभालने का कोई भी खतरा नहीं!
FIRST & BEST EVER SCHEME BY JKJ TO MAKE SURE THAT EVERYONE CAN BUY GOLD
SECURE INVESTMENT
FINANCIAL BENEFIT
MONTHLY INSTALLMENT
IGI JKJ JEWELLERS
सिर्फ स्वर्णाभूषण ही नहीं विश्वास भी गढ़ते हैं हम।
M.I. Road 9001208888
Mansarovar 9001207777
Vidhyadhar Nagar 9001636666
Jagatpura 90018 35555

नवरात्रों और विजय दशमी की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. सी.एम. चौपड़ा प्रबंध निदेशक
डॉ. सी.एम. चौपड़ा हॉस्पिटल एंड हार्ट केयर सेंटर
जयपुर रोड चौमूं मो. 08690055515

विजय दशमी की हार्दिक शुभकामनाएं
Dr. Goyal's
PATH LAB & IMAGING CENTRE
Dr. Piyush Goyal
MBBS, DMRD
Director & Chief Radiologist
• MRI (3 Tesla) • CT SCAN (32 Slice) • 3D/4D ULTRA SONOGRAPHY • COLOUR DOPPLER • CTMT • 2D ECHO • ECG • NCV • EEG • EMG • LABORATORY • DIGITAL X-RAY
B-51, Ganesh Nagar, Near Metro Pillar No. 109-110
New Sanganer Road, Sodala, Jaipur
Ph: 0141-2293346, 4049787, 9887049787

विजय दशमी की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रणाम
SKJ JEWELLERS
A Complete Jewellery Store
गौतम मार्ग, वैशाली नगर, जयपुर - 0141-4005001
सेन्ट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर, जयपुर - 0141-28200777

ML SPINE AND ORTHOPAEDIC CENTER
Caring ....with excellence
MULTI SPECIALITY HOSPITAL
DR. MOHIT LAL MEENA
MS(ORTHO)
Fellowship Spine
Fmiss (Mumbai)
Mo. 98290-30601
DR. MOHAN LAL MEENA
SENIOR CHILD SPECIALIST
MD (Paediatrics)
Mo.- +91 98298-88355
D-311, Siddharth Nagar, Mother Teresa Colony, Gatore Road, Jaipur Mo. 9829888355

उपचार से बेहतर है रोकथाम, स्वस्थ शरीर के लिए व्यायाम

"विचार"

किसी को झूठी इज्जत देने के लिये

पंकज अंबा

आपको याद ही होगा कि नवरात्रा में माता के दर्शन करने चले गये थे। पर त्यौहार निकलने के बाद वापस नास्तिक हो गए थे, क्यूँ नवरात्रों वाला पवित्र मन अपवित्र होने लगता है। मैने कई बार देखा है कि लोग नवरात्रों में शराब पीना छोड़ देते हैं, अण्डा खाना छोड़ देते हैं। कोई निमंत्रण देता भी है तो गर्व से कहते हो भाई नवरात्रे चल रहे है, मैं नव रात्रे में नहीं लेता। एक साहब को तो मैंने पूरे नवरात्रे पीले कपड़ों में देखा है।

इन दिनों तो अच्छे से अच्छा शराबी भी शराब छोड़ देता है, मीट खाना छोड देता है मतलब साफहै कि उसको भी पता है, मन से कि वो गलत काम कर रहा है। क्यूँ किसी को झूठी इज्जत देने के लिये अपने आप को धोखा दे रहे हो। हम नवरात्रों में खेत्री बीजते हैं और 9 दिन बाद मंदिर में चढ़ा देते है। जैसे

इन दिनों तो अच्छे से अच्छा शराबी भी शराब छोड़ देता है, मीट खाना छोड देता है मतलब साफ है कि उसको भी पता है, मन से कि वो गलत काम कर रहा है। क्यूँ किसी को झूठी इज्जत देने के लिये अपने आप को धोखा दे रहे हो।

यह सब भगवान तेरे लिये ही था और अब तुझको अर्पण, मैं तो चला वापस वन मानुष बनने। अगर कुछ करना है तो नवरात्रों में मन में सच्चाई का, पवित्रता का, अपने मालिक के नाम का बीज बोओ और फिर सारे साल देखो कि तुम कौनसे कर्मों से उसको सींचते हो, अगर बुरे कर्मों से सींचा तो सड़ जायेगा बीज और अगर कर्म अच्छे रहे तो 9 दिन के महात्मा की जगह ता उम्र के महात्मा बन जाओगे, ना भी बने महात्मा तो क्या हुआ अच्छे इन्सान तो बन ही जाओंगे। जो चीज 9 दिनों के लिये छोड़ी जा सती है वो सारी उम्र के लिये क्यूँ नही। वैसे डरना नहीं, तुम हारोगे नहीं क्यूँकि बीज तुमने खुद बोया है और खुद की चीज पर तो मोह हो ही जाता है, जरा सा छोटा पौधा लगाते हो तो दिन भर मन वहीं रहता है क्यूंकि वो तुमने लगाया है जब शरीर से बाहर बीज लगाने पर तुम्हारा यह हाल होता है तो अपने अंदर बीज लगाने पर तुम कितने बैचेन रहोगे, हमेशा सफल होने की सोचोगे, पर पहला कदम तो बीज लगाना ही है।

ध्यान से देखो सब त्यौहार साल में एक ही बार आते हैं, पर नवरात्रे 2 बार आते हैं क्यूँकि ऊपर वाले को भी पता है कि यह इन्सान एक बार में पास होने वाला नहीं है अगर तुम इस राह पर चल पड़े तो यकीन मानो, आधे से ज्यादा बकरे, मुर्गे, कटने से बच जायेंगे।

संपर्क सूत्र - पंकज अंबा
मो. 9829353757

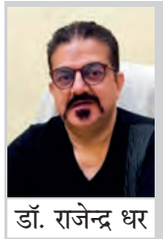

डायबिटिज का अचूक उपाय इसे होने से रोका जाए

डॉ. राजेन्द्र धर

पहली अवस्था में पेनक्रियाज इतना डैमेज हो जाता है कि इंसुलिन का निर्माण पूरी तरह बंद हो जाता है तो ऐसे रोगी को बाहर से इंसुलिन दिया जाता है। दूसरी अवस्था में पेनक्रियाज पूर्णतया डैमेज नहीं होता है।

निम्स मेडिकल कॉलेज के सुप्रसिद्ध प्रोफेसर डॉ. राजेन्द्र धर का कहना है कि डायबिटिज यदि किसी व्यक्ति को हो जाए तो उसका स्थायी उपचार संभव नहीं है केवल दवाओं व अन्य वैकल्पिक तरीकों से इस पर नियंत्रण किया जा सकता है। उन्होने कहा कि यह बीमारी सामान्यतया दो प्रकार की होती है पहली अवस्था में पेनक्रियाज इतना डैमेज हो जाता है कि इंसुलिन का निर्माण पूरी तरह बंद हो जाता है तो ऐसे रोगी को बाहर से इंसुलिन दिया जाता है। दूसरी अवस्था में पेनक्रियाज पूर्णतया डैमेज नहीं होता है व घटिया किस्म की इंसुलिन का निर्माण करता है तो उस पर दवाओं का चाबुक मार कर काम करने लायक बनाया जाता है लेकिन चाबुक मारने की भी एक सीमा होती है, अंततः इंसुलिन बाहर से देना ही पड़ेगा। यह बीमारी वैसे तो किसी भी उम्र के व्यक्ति को किसी भी वर्ग को हो सकती है लेकिन जिनकी फैमिली हिस्ट्री हो मोटे हो या परिश्रम का काम बिल्कुल नहीं करते है उन्हे होने की संभावना अधिक है। ऐसे लोगों को ब्लड शुगर की जांच में लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए।

ज्यादा बेहतर तो यह है कि ऐसा कोई मौका ही न दें कि हम डायबिटिज की गिरफ्त में आए। इसके उपाय है हमारे पास आप बस हमारे सम्पर्क में रहे।

संपर्क सूत्र- डॉ. राजेन्द्र धर,
मो. 94140-73962

दादी मां के नुस्खे

सहारा आयुर्वेद अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर के डॉ. अशोक कुमार शर्मा का कहना है कि मानव शरीर के रोगोपचार में कई बार घरेलू नुस्खे बहुत कारगर होते हैं।

मौसम बदलने पर

जब भी मौसम बदलने के कारण आपका पाचन तंत्र गड़बड़ाए, आपको जी मिचलाने या उलटी की शिकायत महसूस हो तो.... आप दालचीनी और अदरक का सेवन करके राहत पा सकते हैं। अदरक जी मिचलाने की सबसे कारगर दवा मानी जाती है। जबकि दालचीनी उलटी रोकने के लिए बेहतरीन घरेलू दवा है। अगर आप इन्हें सीधे-सीधे न खा सकें तो एक कप गर्म पानी में उबाल कर इनका सेवन कर सकते हैं। इन बीमारियों से निजात दिला सकती है।

एक चम्मच सौंफ को एक कप पानी में उबालें और सुखा कर खाएं। ये गले के लिए बेहतर है। अगर गले या सीने में कंजेशन जैसा महसूस हो तो भी सौंफ आराम दिला सकती है। गर्म अजवाइन को सीने पर लगाने से भी कंजेशन खत्म होता है। मूली में नमक और चीनी मिला कर खाने से भी बीमारी में आराम मिलता है।

अगर जुकाम की वजह से नाक बंद हो गई हो तो गुनगुने पानी में नमक मिला कर इसकी कुछ बूंदें नाक में डालें। नाक की सफाई के लिए ये बढ़िया उपाय है। अगर पेट में भारीपन की शिकायत हो तो एक चम्मच शहद में एक चम्मच नींबू का रस मिला कर पीने से आराम मिलेगा।

अगर पेट खराब होने का अंदेशा हो तो दूध में हल्दी मिला कर पीने से आराम मिल सकता है। अगर सोते समय ठंड लगने की शिकायत महसूस हो तो लौंग, नींबू का रस गर्म पानी में मिला कर पिएं और सो जाएं।

संपर्कः डॉ. अशोक कुमार शर्मा
मो. 9314512311

उपरोक्त नुस्खे चिकित्सक की सलाह से ही लें।

भारत में करीब 43 मिलियन लोग निमोनिया से पीड़ित

भारत में करीब 43 मिलियन लोग निमोनिया से पीड़ित हैं। हाल ही में आई डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट के अनुसार पांच साल से छोटी उम्र के 1.2 लाख बच्चों की मौत निमोनिया की वजह से होती है और भारत में हर एक मिनट में एक बच्चे की निमोनिया की वजह से मौत हो जाती है। दुनिया में निमोनिया और डायरिया से मौत के सबसे ज्यादा मामले भारत में होते हैं।

भारत में बाल निमोनिया एक गंभीर बीमारी है। पांच साल से कम उम्र के किसी भी बालक को यह बीमारी कभी भी हो सकती है। अक्सर ये बीमारी जीवाणु या कभी-कभी विषाणु से होती है। बदलते मौसम के साथ बच्चों में निमोनिया का खतरा मंडराना शुरू हो गया है। इसे मौसम में परिवर्तन के कारण होने वाली बीमारी बता रहे हैं। यही वजह है कि खासतौर पर भारत में इसकी रोकथाम और जांच के बारे में जागरूकता फैलाना बेहद जरूरी है। इसके लक्षण भी आम फ्लू से काफी मिलते-जुलते होते हैं। आम फ्लू से छाती में इन्फेक्शन और लगातार खांसी होती है। भारत में बाल निमोनिया एक गंभीर बीमारी है। पांच साल से कम उम्र किसी भी बालक को यह बीमारी कभी भी हो सकती है।

बुखार, खांसी और सांस तेजी से चलना ये लक्षण होने पर इसे न्यूमोनिया समझना चाहिये।

बच्चे की नाक व गले में आमतौर पर पाए जाने वाले विषाणु और जीवाणु सांस के साथ कई बार फेफड़ों तक पहुंच जाते हैं। खांसते या छींकते समय बूंदों के रूप में भी ये हवा में फैल जाते हैं। अधिकांश बच्चे रोगों से लाने की अपनी प्राकृतिक शक्ति से इस रोग से पार पा लेते हैं। लेकिन कुछ बच्चों में, खासकर कुपोषण के शिकार या स्तनपान से वंचित बच्चों में यह समस्या गंभीर रूप ले सकती है। घर के अंदर वायु प्रदूषण, भीड़भाड़ में रहने और माता-पिता के धूम्रपान के कारण भी इस रोग का खतरा बढ़ जाता है। न्यूमोनिया को ऐंटीबायॉटिक्स से ठीक किया जा सकता है। अधिकांश मामलों में घर पर ही इलाज हो जाता है। बीमारी गंभीर होने पर ही बच्चे को अस्पताल में भर्ती किया जाता है। बच्चों को ऐसे लोगों से बचाकर रखा जाए जिनकी नाक बहती है, गला खराब हो, खांसी आती हो या जिन्हें श्वसन संक्रमण हो। स्तनपान न्यूमोनिया को रोकने में पूर्णत प्रभावी तो नहीं है, लेकिन इससे बीमारी की मियाद जरूर कम हो जाती है। घरेलू प्रदूषण से बचाव और भीड़भाड़ से बच्चे को बचाकर भी इस रोग से बचाव किया जा सकता है।

हर 10 में से 1 महिला को है पीसीओएस की बीमारी

पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम महिलाओं में होने वाली एक आम समस्या है। यह गर्भधारण के समय पाए जाने वाले सबसे आम हार्मोनल विकारों में से एक है, फिर भी यह अक्सर गलत समझा जाता है। इसे पूरी तरह से नजरअंदाज किया जाता है। जबकि PCOS सिर्फ गर्भधारण ही नहीं रोज की दिनचर्या में भी कई मुश्किलें पैदा करने वाली कंडीशन हो सकती है। दुनिया भर में हर 10 में से 1 महिला पीसीओएस से प्रभावित हो सकती है। खासतौर से भारत में बड़ी संख्या में युवतियों को पीसीओएस की दिक्कत है। आइये डॉक्टर से जानते हैं महिलाओं में पीसीओएस होने के लक्षण क्या हैं और इसे कैसे रोकें?

PCOS क्या है? - PCOS एक कॉम्प्लक्स हार्मोनल डिसऑर्डर है, जिसमें अंडाशय अधिक मात्रा में एंड्रोजन या पुरुष हार्मोन का उत्पादन करती हैं, जिससे कई लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

यदि PCOS का इलाज न हो तो क्या हो सकता है? - PCOS को नजरअंदाज करने या सही तरीके से प्रबंधित न करने पर कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं जैसे- बांझपन- अनियमित ओव्यूलेशन के कारण यह महिलाओं में प्रेगनेंसी न होने का प्रमुख कारण बन सकता है।

मेटाबॉलिक विकार- पीड़ित महिलाओं में इंसुलिन रेसिस्टेंस, टाइप 2 डायबिटीज और मोटापा होने का खतरा अधिक रहता है।

हार्ट की बीमारियों का खतरा- उच्च कोलेस्ट्रॉल, हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारियों की आशंका अधिक होती है।

एंडोमेट्रियल कैंसर- ओव्यूलेशन की नियमितता न होने पर गर्भाशय की परत मोटी हो सकती है, जिससे कैंसर का खतरा बढ़ता है।

मानसिक स्वास्थ्य- हार्मोनल असंतुलन और लक्षणों के कारण डिप्रेशन, एंग्जायटी और आत्म-छवि से जुड़ी समस्याएं आम हैं।

रोकथाम और जीवनशैली में बदलाव- हेल्दी वजन रखें- केवल 5-10% वजन कम करने से ओव्यूलेशन बेहतर होता है, पीरियड नियमित होते हैं और इंसुलिन रेसिस्टेंस में सुधार होता है।

हेल्दी खाना खाएं- साबुत अनाज, लीन प्रोटीन, फल, सब्जियां और हेल्दी फैट से युक्त आहार ब्लड शुगर को नियंत्रित करने और लक्षणों को कम करने में मदद करता है।

नियमित व्यायाम करें- शारीरिक गतिविधि से इंसुलिन की संवेदनशीलता बढ़ती है, तनाव कम होता है और वजन नियंत्रित रहता है।

डॉ. मणि को मिला अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड

होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. एम.एल. जैन मणि को इंडो-नेपाल मंच की ओर अंतरराष्ट्रीय से अवॉर्ड के लिए चयनित किया गया है। यह सम्मान उन्हें 31 अक्टूबर, सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर प्रदान किया गया। कार्यक्रम में 25 देशों की प्रतिष्ठित शख्सियतें भी शामिल हुई।

डॉ. धनंजय बने राष्ट्रीय अध्यक्ष

ऑफ ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन राष्ट्रीय के की कार्यकारिणी चुनाव में एसएमएस मेडिकल कॉलेज के नेफ्रोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. धनंजय अग्रवाल को अध्यक्ष चुना गया। उन्हें कुल 697 मत मिले, जबकि निकटतम प्रतिद्वन्द्वी को 525 मत प्राप्त हुए।

डॉ. अभिजीत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बने कीनोट स्पीकर

जयपुर के न्यूरोसर्जन और यूबीई (यूनिलेटरल बाइपोर्टल एंडोस्कोपी) स्पाइन विशेषज्ञ डॉ. अभिजीत वर्मा को हॉल ही में काठमांडू में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्तर की कॉन्फ्रेंस में कीनोट स्पीकर के लिए आमंत्रित किया। सम्मेलन में थाईलैंड, कोरिया, चीन सहित अनेक देशों के स्पाइन सर्जन शामिल हुए। दिमाग और रीढ़ की हड्डी की काफी संख्या में सर्जरी कर चुके डॉ. अभिजीत ने सर्जरी के दौरान होने वाली ब्लीडिंग पर कंट्रोल, रिकवरी जैसे अनेक बिन्दुओं पर अनुभव साझा किए।

ओरल इंप्लांटोलॉजी के लिए डॉ. राजेश को फैलोशिप

इंडियन सोसायटी ऑफ ओरल इंप्टोलॉजिस्ट्स की ओर से मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में जयपुर के डेंटिस्ट डॉ. राजेश नवल को फैलोशिप दी गई। उन्हें यह ओरल इंप्लांटोलॉजी के क्षेत्र में योगदान के लिए दी गई।

राजस्थान में पहली बार महिला सर्जन ने की सफल रोबोटिक गायनी सर्जरी - डॉ स्मिता वैद

डॉ स्मिता वैद

फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल ने चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल ने राजस्थान में पहली बार किसी महिला सर्जन द्वारा रोबोटिक गायनी सर्जरी (स्त्री रोग सर्जरी) को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। यह जटिल सर्जरी 52 वर्षीय महिला की गई, जो कई तरह की स्त्री रोग संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं।

इस प्रक्रिया का नेतृत्व फोर्टिस जयपुर में स्त्री एवं प्रसूति रोग (रोबोटिक सर्जन) की एडिशनल डायरेक्टर डॉ. स्मिता वैद ने किया। सटीकता और सुरक्षित परिणाम मरीज की स्थिति जटिल थी, जिसके चलते सर्जिकल टीम ने उन्नत रोबोटिक तकनीक की सहायता से सर्जरी करने का फैसला लिया। डॉ. स्मिता वैद और उनकी टीम ने रोबोट के सटीक उपकरणों और हाई डेफिनिशन 3डी विजुअलाइज़ेशन का उपयोग किया।

इससे उन्हें सर्जरी के दौरान स्वस्थ ऊतकों को सुरक्षित रखते हुए, सटीकता के साथ बीमार बच्चेदानी (गर्भाशय) को हटाने में मदद मिली।

रोबोट की सहायता से टीम एडहेसियन (चिपके हुए ऊतक) को सावधानीपूर्वक अलग कर पाई और खराब ऊतक को हटा दिया, जिससे स्वस्थ संरचनाएँ सुरक्षित रहीं। यह तकनीक मरीज को सर्वोत्तम परिणाम और तेजी से रिकवरी सुनिश्चित करती है।

टीम ने रोबोट के सटीक उपकरणों और हाई डेफिनिशन 3डी विजुअलाइज़ेशन का किया उपयोग

हैल्थ हंगामा

आज कहीं जा रहा था, तो
अचानक एक बहुत खूबसूरत
लड़की ने कंधे पर हाथ मारा...
और हॉट बोल कर निकल गयी
साड़े 3 घंटे तक उसके बारे में
सबकुछ जान पाया ।
पता चला बंगालन थी !

....

एक बार परिक्षा में एक प्रश्न था ,
कि चुनौती किसे कहते हैं ? तो
पप्पू ने सारे पेपर को खाली छोड़
कर आखरी पेज पर लिखा.
अपने बाप की औलाद है तो पास
कर के दिखा.....

....

नवविवाहित दूल्हा पहली बार
ससुराल में भोजन करते-करते जब
अचानक रुक गया तो ससुराल
वाले असमंजस में पड़ गए।
ससुराल वालों ने हिम्मत जुटा कर
पूछा-बेटा, तुम्हें स्कूटर चाहिए।
नहीं-दामाद ने जवाब दिया।
सास-तो क्या फ्रीज चाहिए?
दूल्हा-नहीं।
साला-तो फिर टीवी चाहिए क्या?
दूल्हा-नहीं।
साली-क्या चाहिए आपको?
दूल्हा-पानी! सब्जी में मिर्च
बहुत है।

नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं
YASH BATTERY SERVICE
Authorised Sales & Service Dealer
EXIDE | BOSCH
Yash Pal Bhatia Mob - 9414066535
Vaibhav Bhatia Mob -8851730213
Shop No. 6-7, Baraf Khana, Adarsh Nagar Jaipur

Fixed Teeth only in 1 Hour
Dr. Preeti Mittal
ORAL DENTAL SURGEON
105, vrindavan vihar colony King's Road Nirman Nagar Jaipur
Mo: 9829460460

H.N. NURSING HOME
चूरू क्षेत्र का एक विश्वसनीय केन्द्र
DR. MUMTAJ ALI
Churu- Rajsthan
Mob. 9414084525
Ph: 250763

नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं
RAJDHANI Dental Clinic
Dr. PRADEEP KUMAR
379 Near Aggrasain Hospital Behind MeeraApartment Devi Nagar Sodala Jaipur
Mob 9314441593

नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं
Patalia Hospital & Research Centre
working to Build a Healthier Community
डॉ. गजेन्द्र शर्मा (डाइटीशियन)
A-39, New Market, Nr. Tejaji Temple, Vidhya Nagar, Jagatpura, Jaipur
Mo. 9829192007, E-mail : phrc21@yahoo.com

नवरात्रों की हार्दिक बधाई
Dr. Rajendra yadav
BDS, MDS, Master of implantology (USA)
G. L. Memorial Superspeciality
Raj Dental Hospital
G-1A&B Anukampa Apartment Model Town, Malviya Nagar, Jaipur Mob- 9784804833

नवरात्रों की हार्दिक बधाई
Dr. A. K. Sharma
MD, MNAMS (Nephrology)
Nephrologist, Dialysis & Transplant Specialist
ETERNAL HOSPITAL
Jawahar Circle Jagatpura Road, Jaipur, Mob : 98290-65210

नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं
आदर्श दमा मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल
सन 2007 से सेवारत
डॉ कोपल अग्रवाल MS Gynae
डॉ मोनिका अग्रवाल MS Gynae
डॉ दिनेश गुप्ता शिशु रोग विशेषज्ञ
डॉ भरत शर्मा शिशु रोग विशेषज्ञ
हमारे विशेषज्ञ
निदेशक : डॉ जे एस चौधरी
परामर्शदाता डॉ चेतन्य शर्मा MBBS MD
डॉ लेखराज शर्मा MBBBS MD
डॉ प्रदीप अग्रवाल MBBS MD
राज विलास होटल और बाबा जी मोड़ के मध्य गोनेर रोड जयपुर मो.9414359701

सूचना
हैल्थ व्यू में प्रकाशित लेख लेखकों के अपने विचार हैं और केवल आपकी जानकारी के लिए है कोई भी लेख पर अमल करने से पूर्व अपने चिकित्सक से परामर्श अवश्य कर लें। हैल्थ व्यू के सम्पादक, प्रकाशक व मुद्रक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।
THE EDITTORIAL BOARD DOES NOT ENDORSE ANY PRODUCTS ADVERTISED IN THIS NEWSPAPER.
किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र केवल जयपुर होगा।

प्रत्येक अंतिम शनिवार को निःशुल्क एक्युप्रेशर व रेकी चिकित्सा जिसमें शारीरिक, मानसिक व चर्म से संबंधी रोगों का उपचार होगा।
संपर्क सूत्र
आकृति क्लिनिक
डॉ. पमिला छाबड़ा
मो. : 9829735666
रेकी व एक्युप्रेशर प्रशिक्षण हेतु संपर्क करें

LIFE SAVER
A SHOP OF LIFE SAVING DRUGS
STOCKISTS FOR
Cancer & Cardiac Medicines, Disposable Surgery Items Nutrition Fluids
168, Nehru Bazar, JAIPUR
TelÑ 2313129, 2310483, 2313281, MobÑ 98290-14267
DELIVERY FACILITY AVAILABLE

MAHAVEER DIAGNOSTIC
Super Speciality Lab
Thyroid ❖ Harmones ❖Tumour Markers ❖ Infertility/ Pregnency Hormones❖ Torch ❖ Metabolic Hormones ❖ Druf Assays
Dr. Manoj Jain
Mob. 94144-60959
ECHO & COLOR DOPPLER CENTRE
Whole Body Color Doppler Study, 2 D Echo- Adult & Paediatric, Carotid Doppler, Peripheral & Renal Doppler, Small Parts - Penile Doppler, Fetal Doppler & Echo
Manav Ashram, Gopalpura Mod, Jaipur Ph: 2704787

बिना पंजीकरण अस्पताल और लापरवाहियां - आखिर कब तक?

संपादकीय

स्वास्थ्य सेवाएं किसी भी समाज की रीढ़ होती हैं। इन पर जनता का भरोसा ही जीवन और मृत्यु के बीच की डोर को थामे रखता है। लेकिन चौमूं-जालसू क्षेत्र के रायथल गांव में सुनीता महिला एवं जनरल हॉस्पिटल का बिना पंजीकरण चलना और उसमें एक गर्भवती महिला व उसके गर्भस्थ शिशु की मौत होना अत्यंत गंभीर और चिंताजनक है। यह केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि पूरे चिकित्सा तंत्र पर उठते सवाल हैं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की जांच में न तो अस्पताल के पंजीकरण के दस्तावेज मिले और न ही चिकित्सक की डिग्री से जुड़े प्रमाणपत्र। यह स्पष्ट करता है कि बिना कानूनी मान्यता के इलाज हो रहा था। ऐसी लापरवाही सीधे तौर पर मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ है। इस पूरे प्रकरण से यह बात उजागर होती है कि ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में स्वास्थ्य संस्थानों की निगरानी कितनी ढीली है।

सरकार और विभाग की जिम्मेदारी केवल कार्रवाई कर देने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाए कि हर निजी अस्पताल का पंजीकरण, चिकित्सकों की योग्यता और सुविधाएं नियमित रूप से जांची जाएं। जब तक पारदर्शी और कड़ा नियामक ढांचा नहीं होगा, तब तक ऐसे हादसे रुकेंगे नहीं। जनता को सस्ती और सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना केवल नारा नहीं, बल्कि राज्य का दायित्व है।

यह समय चेतने का है - क्योंकि हर लापरवाही, एक अनमोल जीवन की कीमत पर दर्ज होती है।

सिर्फ 7 साल के बच्चों पर भी मंडरा रहा हार्ट डिजीज का खतरा

इस समय हार्ट से जुड़ी तमाम बीमारियां महामारी की तरह फैल रही हैं, महामारी इन मायनों में कि पहले जो बीमारी 35 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को होती थी, अब उसके चपेट में 7 साल की उम्र के बच्चे भी हैं। भारत में एडल्ट लोगों की कुल आबादी में से 20 से 25 प्रतिशत आबादी ऐसी है, जो हाई बीपी की समस्या से जूझ रही है। अगर इसको आसान और मेडिकल टर्म में समझा जाए तो इसे हाइपरटेंशन कहा जाता है। पहले लोगों को लगता था कि बीपी की समस्या 30 से 40 साल के लोगों को होती थी, लेकिन आज 7 से लेकर 12 साल के ऐसे तमाम बच्चे आपको देखने को मिल जाएंगे, जो इसकी चपेट में हैं। इस बात का जिक्र तमाम स्टडी में पता चला है। चलिए आपको बताते हैं कि आप कैसे इसका पता लगा सकते हैं।

क्यों छोटी उम्र में हो रहा है खतरा

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की रिपोर्ट के अनुसार, नई स्टडी के अनुसार अगर किसी को 7 साल की उम्र में बीपी की समस्या होती है, तो 50 साल की उम्र तक मरने की संभावना काफी ज्यादा हो जाती है। इस पूरी स्टडी के अनुसार, सिस्टोलिक और डायस्टोलिक दोनों समय को लंबे समय तक ट्रैक किया गया। इससे पहले की स्टडी में यह बताया गया था कि अगर किसी को 12 साल की उम्र में बीपी की समस्या होती है, तो एडल्ट होते-होते हार्ट की बीमारी का खतरा काफी बढ़ जाता है। लेकिन अब नई स्टडी में 7 साल की उम्र में खतरे की बात कही गई है।

क्यों हो रहा कम उम्र में खतरा

इतनी कम उम्र में हार्ट डिजीज बढ़ने के कई कारण हैं, जैसे कि बचपन से ही अनहेल्दी लाइफस्टाइल (ज्यादा जंक फूड, मोबाइल-टीवी पर घंटों बैठना, कम शारीरिक गतिविधि) हार्ट डिजीज का रिस्क बढ़ा देता है। मोटापा और बीपी की समस्या के चलते दिल की बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जाता है। कुछ बच्चों में इस तरह की बीमारियां जेनिटिक या कॉनजेनिटल हार्ट प्रॉब्लम्स की वजह से होती हैं।

सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया।

सोच बदलनी होगी यह कहावत शाश्वत सत्य है। सभी सुखी हों सभी रोग मुक्त रहें हम सभी मंगलमय घटनाओं के साक्षी बने और किसी को भी दुख का भागी न बनना पड़े।

श्रंखला 81

‖ सोच बदलनी होगी ‖

अन्यथा बदल जाएंगे बच्चे - मां बाप को भूलने लगे

डॉ मान सिंह भांवरिया

ॐ शांति शांति शांति

इसका उच्चारण करके देखो कितनी शांति प्राप्त होगी। आज हम इस मुहावरे के अनुसार आपको जीवन जीने के तरीके के बारे में बताएंगे। हम जिस आपाधापी और भागदौड़ वाली जिंदगी में जीवन यापन कर रहे हैं सोच बदलनी होगी। कुछ बिंदुओं के द्वारा हमने जीवन को सही मार्ग पर लाने के लिए समझाने की कोशिश की है।

सोचो कितने घरों में अगली पीढ़ी के बच्चे रह रहे हैं? कितने बाहर निकलकर नोएडा, गुड़गांव, पूना, बेंगलुरु, चंडीगढ़, बॉम्बे, कलकत्ता, मद्रास, हैदराबाद, बड़ौदा जैसे बड़े शहरों में जाकर बस गये हैं? आप एक बार उन गली मोहल्लों से पैदल निकलिएगा जहां से आप बचपन में स्कूल जाते समय या दोस्तों के संग मस्ती करते हुए निकलते थे।

एक नजर इस पर भी - हर घर की ओर आपको एक चुपचाप सी सुनसानियत मिलेगी, न कोई आवाज़, न बच्चों का शोर, बस किसी किसी घर के बाहर या खिड़की में आते जाते लोगों को ताकते बूढ़े जरूर मिल जायेंगे।

आखिर इन सूने होते घरों और खाली होते मुहल्लों के कारण क्या हैं ? - भौतिकवादी युग में हर व्यक्ति चाहता है कि उसके एक बच्चा और ज्यादा से ज्यादा दो बच्चे हों और बेहतर से बेहतर पढ़े लिखें। उनको लगता है या फिर दूसरे लोग उसको ऐसा महसूस कराने लगते हैं कि छोटे शहर या कस्बे में पढ़ने से उनके बच्चे का कैरियर खराब हो जायेगा या फिर बच्चा बिगड़ जायेगा। बस यहीं से बच्चे निकल जाते हैं बड़े शहरों के होस्टलों में।

माता पिता के सामने मानसिक दबाव सा आ जाता है बच्चों को बड़े शहर में पढ़ने भेजने का। हालांकि इतना बाहर भेजने पर भी मुश्किल से 1 प्रतिशत बच्चे IIT, PMT या CLAT वगैरह में निकाल पाते हैं...।

फिर वही मां बाप बाकी बच्चों का पेमेंट सीट पर इंजीनियरिंग, मेडिकल या फिर बिज़नेस मैनेजमेंट में दाखिला कराते हैं। 4 साल बाहर पढ़ते पढ़ते बच्चे बड़े शहरों के माहौल में रच बस जाते हैं। फिर वहीं नौकरी ढूंढ लेते हैं। सहपाठियों से शादी भी कर लेते, आपको तो शादी के लिए हां करना ही है, अपनी इज्जत बचानी है तो, अन्यथा शादी वह करेंगे ही अपने इच्छित साथी से। अब त्यौहारों पर घर आते हैं माँ बाप के पास सिर्फ रस्म अदायगी के लिए माँ बाप भी सभी को अपने बच्चों के बारे में गर्व से बताते हैं। दो तीन साल तक उनके पैकेज के बारे में बताते हैं।

त्योहारों पर भी जाना बंद - अब तो कोई जरूरी शादी ब्याह में ही आते हैं। अब शादी ब्याह तो बेंकट हाल में होती हैं तो मुहल्ले में और घर जाने की भी ज्यादा जरूरत नहीं पड़ती है। होटल में ही रह लेते हैं। प्रॉपर्टी डीलरों की गिद्ध जैसी निगाह इन खाली होते मकानों पर पड़ती है। वो इन बच्चों को घुमा फिरा कर उनके मकान के रेट समझाने शुरू करते हैं।

संपर्क सूत्र डॉ. मान सिंह भांवरिया मो. 9672777737

प्रदेश के सबसे बड़े हॉस्पिटल में दवाईयों का टोटा !

एस.एम.एस. अस्पताल में ओपीडी,आईपीडी के मरीजों को नहीं मिल रही दवाइयां

प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल सवाई मानसिंह हॉस्पिटल (स्ब्र्) में मरीजों को दवाईयों की कमी के कारण बढ़ती समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल की ओपीडी और आईपीडी में मरीजों को दवाईयां नहीं मिलने से उन्हें बाहर के मेडिकल स्टोर से महंगे दामों पर दवाई खरीदना पड़ रही है। खासतौर पर डायबिटीज के मरीजों के लिए यह समस्या गंभीर बन चुकी है। पिछले 15 दिनों से इंसुलिन के इंजेक्शन और दूसरी जरूरी दवाईयां अस्पताल में उपलब्ध नहीं हैं, जिसके कारण मरीजों को दिक्कत हो रही है।

डायबिटीज के मरीजों की बढ़ी परेशानी - एस एम एस अस्पताल के एंडोक्राइन डिपार्टमेंट में हर रोज 250 से ज्यादा मरीज ओपीडी में आते हैं, जिनमें से 80 फीसदी मरीज टाइप-1 डायबिटीज के होते हैं। इन मरीजों को इंसुलिन इंजेक्शन की नियमित खुराक की आवश्यकता होती है। इनमें से गंभीर मरीजों को दिन में चार बार और

सामान्य मरीजों को दो बार इंसुलिन का इंजेक्शन लिया जाता है। लेकिन पिछले 15 दिनों से एस्पार्ट, डेग्लुडेक और ग्लार्जिन जैसे आवश्यक इंसुलिन इंजेक्शन अस्पताल में उपलब्ध नहीं हैं। इसके कारण मरीजों को ओपीडी और डीडीसी काउंटर पर भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हर रोज औसतन 250 से ज्यादा मरीज इस कारण परेशान हो रहे हैं।

एसएमएस अस्पताल के स्टोर में दवाईयों की कमी - एसएमएस के सेंट्रल ड्रग डिपार्टमेंट से इन दवाईयों की खरीद में देरी हो रही है। इस कारण मरीजों को रूटिन दवाईयां उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। अस्पताल प्रशासन की ओर से स्थानीय स्तर पर दवाई खरीदने का प्रयास किया गया है, लेकिन यह व्यवस्था भी लंबे समय से सही ढंग से काम नहीं कर पा रही है। डीडीसी सेंटर के माध्यम से मरीजों को दवाईयां देने की व्यवस्था है, लेकिन यहां पर्ची और आधार की फोटोकॉपी लेने के बाद मरीजों को दवाई लेने के लिए 2 से 7 दिन तक का इंतजार करना पड़ रहा है।

RMSCL सप्लाई करती है दवाईयां - दवाईयों की कमी को लेकर प्रिंसिपल डॉ दीपक माहेश्वरी का कहना है कि सभी आवश्यक दवाईयों की लिस्ट राजस्थान मेडिकल सर्विस कॉरपोरेशन लिमिटेड (ऋस्ष्टरु) को भेज चुके हैं और उनसे रिमाइंडर भी मिल चुका है। बावजूद इसके दवाईयों और इंजेक्शनों की आपूर्ति में देरी हो रही है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति में अस्पताल प्रशासन जितना हो सके, स्थानीय स्तर पर दवाई खरीदकर मरीजों को उपलब्ध करा रहा है। ऋस्ष्टरु हमको दवाइयां सप्लाई करता है, हमने उनको डिमांड भेजी हुई है जो भी दवाईयों की कमी आ रही है जल्दी पूरी हो जाएगी।

SHREERAM
DEPARTMENTAL STORE
A Complete Shopping Complex
Ramchandra Puruswani
A-1, Basant Bahar, Nr. Gopalpura Flyover, Tonk Road, Jaipur-302 018
HOME DELIVERY AVAILABLE
Ph.Ñ 2548110, 2546851, 5127162

शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान 3,775 लीटर मिलावटी घी हर्बल प्योर ब्रांड का सीज

जयपुर। राजस्थान सरकार के शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत गुरुवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुरलीपुरा में 3,775 लीटर मिलावटी घी जब्त कर लिया। यह मिलावटी घी हर्बल प्योर ब्रांड का था। आयुक्त (खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण) डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देशन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। फर्म मालिक ने स्वीकारा मिलावट टीम ने मुरलीपुरा विस्तार स्थित एमएस राधेश्याम एंड सन्स पर छापा मारा। जांच के दौरान, फूड सेफ्टी एक्ट के तहत घी के दो नमूने लिए गए, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला (लैब) भेजा गया है। सीएमएचओ डॉ. शेखावत के अनुसार, टीम को मौके से लगभग 3,775 लीटर मिलावटी %हर्बल प्योर% ब्रांड घी मिला। पूछताछ में फर्म के मालिक रामकिशन ने स्वीकार किया कि यह घी 400 रुपये प्रति किलो की दर से मंगवाकर आगे सप्लाई किया जाता था। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों नरेश चेजारा, विनोद शर्मा और नरेंद्र शर्मा टीम में शामिल रहे। यह भी सामने आया है कि इस ब्रांड का नमूना पहले भी जांच में फेल हो चुका है, जिसके बावजूद फर्म द्वारा यह मिलावटी कारोबार जारी था।

सुनीता महिला एवं जनरल हॉस्पिटल सीज बिना रजिस्ट्रेशन चल रहा था अस्पताल, प्रसूता और गर्भस्थ शिशु की मौत

चौमूं/जालसू। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जालसू ब्लॉक के रायथल स्थित सुनीता महिला एवं जनरल हॉस्पिटल को सीज कर दिया है। यह कार्रवाई बुधवार शाम को की गई, जिसके बाद अस्पताल संचालक डॉ. सुरेश चौहान और एक अन्य चिकित्सक के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। अस्पताल में हाल ही में हुई एक गर्भवती महिला और उसके गर्भस्थ शिशु की मौत के मामले में लापरवाही सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई है।

सीएमएचओ जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि विभाग की जांच में अस्पताल के संचालन के लिए कोई रजिस्ट्रेशन दस्तावेज नहीं मिला और न ही संबंधित चिकित्सक की डिग्री से जुड़े कोई कागजात प्रस्तुत किए गए। अन्य अनियमितताएं भी पाई गईं। इसके बाद अस्पताल परिसर और उसमें मौजूद सोनोग्राफी मशीन को सीज कर दिया गया।

लापरवाही से हुई थी प्रसूता की मौत - यह मामला करीब पाँच दिन पहले का है, जब नागौर जिले के छोटी खाटू निवासी 24 वर्षीय गर्भवती मोनिका कंवर पत्नी दीपक सिंह की इसी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। मृतका के परिजनों ने अस्पताल के संचालक डॉ. सुरेश कुमार चौहान के खिलाफ इलाज में घोर लापरवाही का मामला दर्ज कराया था, जिसके बाद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने यह बड़ा कदम उठाया।

ASHOKA
FURNISHINGS
G.S Road, Guwahati-5, Tel - 0361-2457801-02,
Babu Bazaar, Fancy Bazaar Guwahati1
0361-2637326

नवरात्री की हार्दिक शुभकामनाएं
एम. के. पॉली क्लिनिक
डॉ. नितिन नैगी (यूरोलोजी)
डॉ.अंकित शर्मा (ओर्थो)
डॉ.भगवान दास (चर्म रोग)
डॉ.महेश कुमार (फीजिशियन)
डॉ.आशीष शर्मा (दन्त रोग)
डॉ. जितेन्द्र कुमार (पथरी रोग)
श्वास रोग, स्किन रोग एवं बाल रोग विशेषज्ञ की सेवाएं उपलब्ध
नायला गेट, कानोता जयपुर मो. 9828210089

GOODLUCK
Opticians
9214063854
9983456000

JASVINDER SINGH
President, JZOA, Optometrist,
Life Member, IOA
Opp. Spring Dales School, Calgiri Eye Hospital Road,
Malviya Nagar, Jaipur-302017
E-mail : jasvinder.singh1959@gmail.com

JANGID HOSPITAL
Nawalgarh, Jhunjhunu Distt.
झुझंनु जिले के निवासियों की स्वास्थ्य रक्षा का प्रहरी
Dr. Manish Sharma
Consultant Anaesthesiologist & Intensivist
Mo: 9414402800, Ph: 1594-225500

नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं
निम्स कॉलेज ऑफ फिजियोथेरपी
Recognized by the Medical & Health Department, Govt. of Rajasthan
(Affiliated to Rajasthan University of Health Science)
MBBS में सेलेक्शन नहीं हुआ, निराश न हो शानदार मेडिकल कैरियर विकल्प है। ADMISSION OPEN
बीपीटी-बैचलर ऑफ फिजियोथेरापी
Become a Doctor of Physiotherapy
कॉलेज द्वारा छात्रवृत्ति प्रत्येक छात्र को
Internationally Recognized Degree in Faculty of Medicine
Duration : 4 Years & 6 months internship Eligibility : 10+2 PCB with minimum 45%
Scholarship: Scholarship provide as per Govt. policy SC/ST, SBC, OBC-BPL & Others.
52 फुट हनुमान जी, बगराना, आगरा रोड, जयपुर-302012 मो.-9928592235, 9829031341

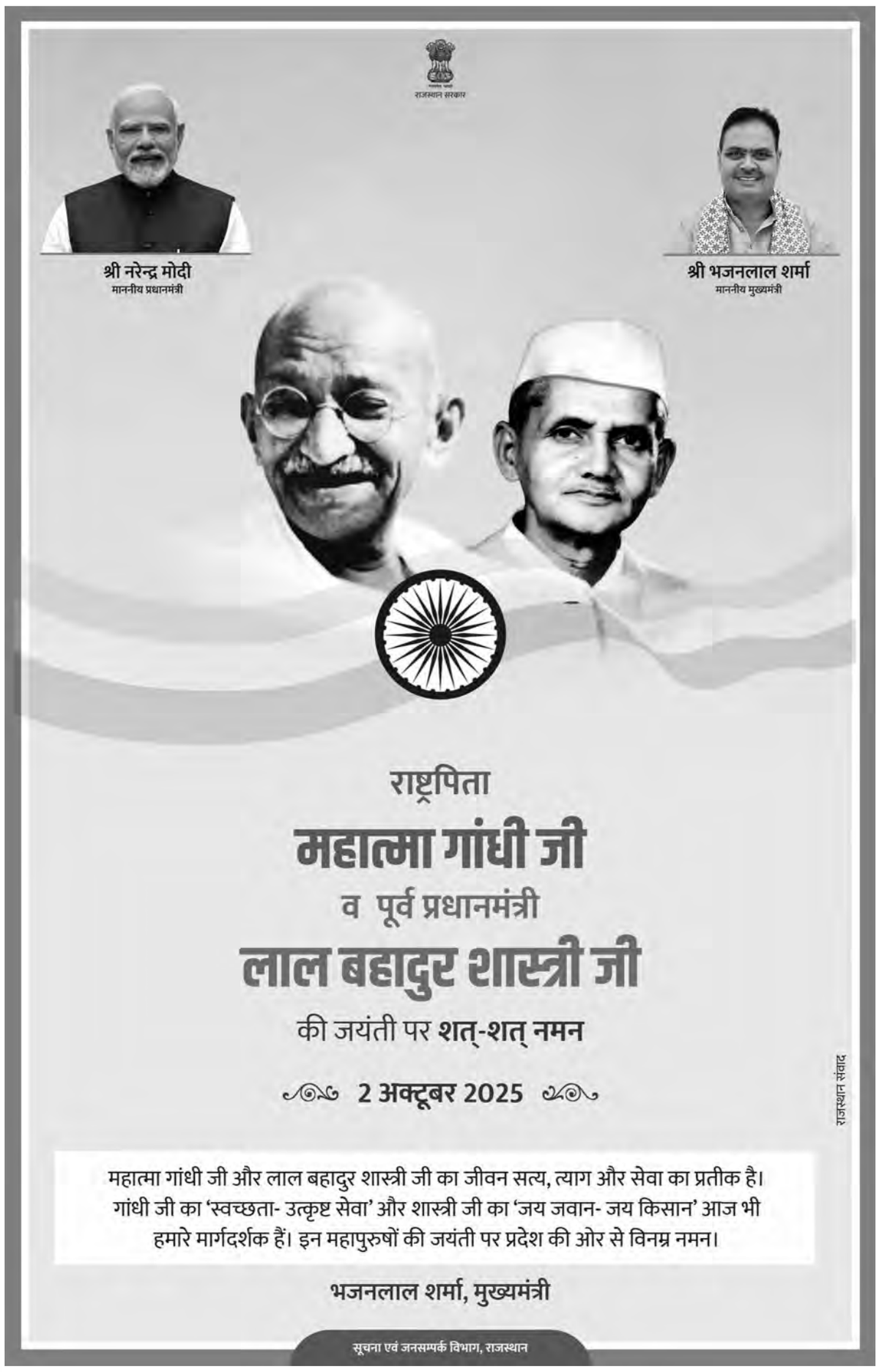

महात्मा गांधी अस्पताल

जटिल स्पाइन सर्जरी से दिया नया जीवन - डॉ पंकज गुप्ता

डॉ पंकज गुप्ता

वजन उठाने के कारण मो. इस्लाम की रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट लग गई थी, जिससे नाभि से नीचे का हिस्सा बिल्कुल काम नहीं कर रहा था

हैल्थ व्यू @ जयपुर

महात्मा गांधी अस्पताल के चिकित्सकों ने एक जटिल स्पाइन सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस सर्जरी ने मालपुरा निवासी 43 वर्षीय मोहम्मद इस्लाम को फिर से जीवन की नई राह दी है।

वजन उठाने के कारण मो. इस्लाम की रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट लग गई थी, जिससे नाभि से नीचे का हिस्सा बिल्कुल काम नहीं कर रहा था।

न्यूरोसर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. पंकज गुप्ता ने बताया कि इस जटिल मामले का निदान कर डी12-एल 1 स्पाइन सर्जरी की। ऑपरेशन में अत्याधुनिक तकनीक ओ-आर्म नेविगेशन का प्रयोग किया, जिससे सर्जरी और अधिक सटीक एवं सुरक्षित तरीके से संभव हुई।

टीम में डॉ. पंकज गुप्ता, डॉ. सुनीता

शर्मा, डॉ. रवींद्र सिंह सिसोदिया, डॉ. अनमोल, डॉ. फोरम मेहता तथा डॉ. संदर्भ गौतम थे। ऑपरेशन के आठ महीने बाद मोहम्मद इस्लाम फिर से सामान्य दिनचर्या जी रहे हैं। ऑपरेशन राज्य सरकार की मां योजना के तहत निशुल्क किया।

सम्पर्क सूत्र डॉ पंकज गुप्ता
मो 93145 22787

नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं
MAHALAXMI

Abhushan Bhandar
22/22 Ct. GOLD Ornaments
165, Kishanpole Bazar, New Colony M.I. Road, JAIPUR
(O) 2320320 (S) 2324841

डॉ ए के भार्गव

ए के पैथोलॉजी एंड रिसर्च लैब को मिला एनएबीएल प्रमाण पत्र

डॉ भार्गव ने कहा कि यह उपलब्धि हमारे लिए गर्व का विषय

हैल्थ व्यू @ जयपुर

ए. के. पैथोलॉजी एंड रिसर्च लैब एलएलपी (AK Pathology and Research Lab LLP) को राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (NABL) द्वारा ढ्स्ह्र 15189-2022 मानक के अनुसार गुणवत्ता एवं क्षमता के लिए प्रमाण पत्र (Certificate of Accreditation) प्रदान किया गया है। यह प्रमाणन लैब की उच्चस्तरीय गुणवत्ता प्रणाली और उत्कृष्ट सेवाओं की मान्यता है।

लैब को यह मान्यता उसके बनी पार्क, जयपुर स्थित केंद्र के लिए मिली है। यह प्रमाण पत्र 17 सितम्बर 2025 से 16 सितम्बर 2029 तक मान्य रहेगा। ह्वक्रर का यह सर्टिफिकेट केवल उन्हीं संस्थानों को दिया

जाता है, जो लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता मानकों और ह्वक्रर की आवश्यकताओं का पालन करते हैं।

इस अवसर पर डॉ ए के भार्गव ने कहा कि यह उपलब्धि हमारे लिए गर्व का विषय है। NABL की मान्यता हमारी टीम के समर्पण, तकनीकी दक्षता और मरीजों को सर्वोत्तम गुणवत्ता की जाँच सेवाएँ उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। NABL प्रत्यायन मिलने से ए. के. पैथोलॉजी एंड रिसर्च लैब अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक विश्वसनीय मानी जाएगी तथा मरीजों को गुणवत्ता परक और भरोसेमंद जाँच सुविधाएँ मिल सकेंगी। **संपर्क सूत्र डॉ ए के भार्गव मो +91 98290 79097**

नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं
शादी दिलों का मेल है, उसे यादगार बनाइए
वैवाहिक परिधानों की सम्पूर्ण रेंज
Raja Sahab
His & Hers Store
Raja Park, Jaipur. Ph. : 2623001-002

लेप्रोस्कोपी से निकाली, 6 किलो हेयर बॉल

हैल्थ व्यू @ जयपुर

गणगौरी हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने लेप्रोस्कोपिक सर्जरी द्वारा मरीज के पेट से 6 किलोग्राम वजनी गैस्ट्रिक ट्राइकोबिजोआर (हेयर बॉल) निकालकर उसकी जिंदगी बचाई है। दावा किया जा रहा है कि इस तरह की सर्जरी राजस्थान - में पहली बार की गई है। अस्पताल अधीक्षक डॉ. लीनेश्वर हर्षवर्धन ने बताया कि जयसिंहपुरा खोर निवासी 35 वर्षीय महिला कई दिनों से पेट दर्द, सूजन और भूख न लगने की परेशानी झेल रही थी। जांच में उसके आमाशय और छोटी आंत में विशाल ट्राइकोबिजोआर पाया गया। अस्पताल के सर्जन डॉ. मुकेश ने बताया कि महिला का पहले भी पेट की गांठ का ऑपरेशन हो चुका था। ऑपरेशन दूरबीन (लेप्रोस्कोपी) तकनीक से सर्जरी करने का निर्णय लिया गया। महिला का ऑपरेशन ढाई घंटे तक चला और सफल रहा।ऑपरेशन टीम में डॉ. मुकेश के साथ सर्जन डॉ. संजय, डॉ. कमलेश, डॉ. वीरेंद्र, डॉ. शहादत अली और डॉ. लुकमान शामिल रहे। एनीस्थीसिया विभाग से डॉ. हर्ष, डॉ. वीना और डॉ. रवि। नर्सिंग टीम से राकेश, सुरेश और परवेन्द्र ने सहयोग किया।

नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं
Dr. Pushkar Gupta
MD (Med.), DM, DNB (Neuro)
Consultant
Neurologist
C.K. BIRLA Hospital
Resi : A-13, Jai Jawan-1, Tonk Road, Durgapura. Jaipur
Mo : 9828020015

भ्रूण रोगों की समय पर पहचान के लिए सिम्युलेटर प्रशिक्षण

राजस्थान अस्पताल में अनूठी कार्यशाला

हैल्थ व्यू @ जयपुर

चिकित्सा जगत में कौशल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, राजस्थान अस्पताल में एक अनूठी और अत्यंत उपयोगी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञों को भ्रूण संबंधी बीमारियों की पहचान और निदान हेतु आधुनिक तकनीक में प्रशिक्षित करना था। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण आधुनिक सिम्युलेटर पर दिया गया व्यावहारिक प्रशिक्षण रहा, जिसके माध्यम से चिकित्सकों को भ्रूण में विभिन्न शिशु रोगों की जांच और पहचान करने की उन्नत तकनीकें सिखाई गईं।

डॉ दिनेश माथुर

पीसीपीएनडीटी एक्ट के दौर में वरदान है सिम्युलेटर। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन राजस्थान अस्पताल के रेडियोलॉजी विभाग के डॉ. मेजर अपार माथुर के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम में नेशनल एसोसिएशन ऑफ रिप्रोडक्टिव एंड चाइल्ड हेल्थ ऑफ इंडिया (NARCHI) की आयोजन अध्यक्ष एवं वरिष्ठ स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. वीणा आचार्य की प्रेरणादायी उपस्थिति ने भी चिकित्सकों का मार्गदर्शन किया। प्रशिक्षण में 40 से अधिक चिकित्सकों ने प्रत्यक्ष भागीदारी की। विशेषज्ञों ने बताया कि पीसीपीएनडीटी एक्ट के कठोर प्रावधानों के कारण चिकित्सकों के लिए वास्तविक अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन पर प्रशिक्षण प्राप्त करना मुश्किल हो गया है। ऐसे में, सिम्युलेटर-आधारित यह प्रशिक्षण चिकित्सकों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर घटाने में मिलेगी मदद विशेषज्ञों ने इस प्रकार के प्रशिक्षण के दूरगामी लाभों पर जोर देते हुए कहा कि यह पहल भ्रूण अवस्था में ही शिशु रोगों की सटीक पहचान संभव बनाएगी। समय रहते सही निदान

और उपचार शुरू किया जा सकेगा। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में बड़ी सहायता प्रदान करेगी।

प्रस्तुति - डॉ. दिनेश माथुर
मो- 9829061176

नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं
SHRI BALAJI DENTAL HOSPITAL
BRACES SPECIALIST
Dr. Ashwani Jadon
M.D.S. (Orthodontics)
Dr. Parul Jadon
12/11, Girdhar Mard Malviya Nagar, Jaipur
Mob 9929807746

नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं
जर्मनी व लंदन के जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ
डॉ. मनीष वैष्णव
विश्व की सफल और अत्याधुनिक सॉफ्ट रोबोटिक तकनीक से
रिप्लेस नहीं, रिपेयर करें
चुनें माइक्रोप्लास्टी/टक्सप्लास्टी (UKR)
और बचें पूर्ण घुटना प्रत्यारोपण से
DR. MANISH VAISHNAV
जॉइंट रिप्लेसमेंट स्पेशलिस्ट
M. S Ortho (SMS) Jaipur
Fellowship Join Replacement & Arthoscopy
(Mumbai, Germany)
SHALBY HOSPITAL, JAIPUR
डॉ. मनीष वैष्णव की ओपीडी सेवाएं :- अजमेर, ब्यावर, कुचामन, नागौर, कोटा, हनुमानगढ़, रावतसर, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, झालावाड़
AJAY SULANIYA ☎ 96106 14200, 90017 40688 doctormanishortho.in.net
Clinic VS Medihub, 1st floor 28 Shiv Shakti Nagar, near Indo Bharat School, Nirman Nagar, Jaipur, Rajasthan 302019 परामर्श समय: शाम 5 से 7 बजे तक

नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं
Dr. ANSHUL MITTAL
MBBS, DCH, FELLOWSHIP NEONATOLOGY
OPD TIMING
MORNING
9:00 AM To 2:00 PM
EVENING
5:00 PM To 8:00 PM
MITTAL CHILDREN HOSPITAL
spreading smiles
E 61 Girdhar Marg Near Reliance Fresh Malviya Nagar Jaipur

नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं
Dhanwanti Hospital & Research Center
Dr. R. P. Saini
MBBS, MS Director
Dr. Ojas Saini
MBBS, MS
Academic Director
Dr. Prabha Saini
MBBS, DOMS
Managing Director
New Sanganer Raod Mansarover jaipur Mo - 98290 55760

नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं
Simla Hotel
(A/C & Non A/C)
Chandi Ki Taksal, Hawa Mahal Road, Jaipur
Ph- 2609001, 002, 003, 004

नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं
मधुर हॉस्पिटल
प्रतिदिन स्वास्थ्य बीमा योजना में नि:शुल्क ऑपरेशन व डिलीवरी
सिकन्दरा रोड़, बांदीकुई, जिला दौसा 303313
(राजस्थान) मो. 9549225654, 9587225654

पाइल्स हॉस्पिटल
पाइल्स (बवासीर) व अन्य गुदारोगों का अस्पताल
A DAY CARE ANOREACTAL SURGERY CENTRE
डॉ. दिनेश शाह वरिष्ठ पाइल्स एवं गुदा रोग विशेषज्ञ M.S., FAIS, FIAGES, FACRSI
डॉ. अंशुल शाह मो. 8209632767
6/64, विद्याधर नगर, जयपुर
फोन - 0141-2334959

ASHOKA JEWELLERS
We Sell BIS approved Hallmarked Jewellery.
नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं
22/22 ct. Gold, Silver & Diamond Ornaments
Shop No. 246, Johari Bazar, Jaipur
Tel : 2563699 Mob : 94147-83135

PNSH
Meet for any
BRAIN & SPINE SURGERY
Dr Yogesh Gupta
(MBBS, MS, MCh)
Director & Chief Consultant Neurosurgeon
PRIYUSH NEURO & SUPER SPECIALITY HOSPITAL
JAIPUR
12000+ Surgery Experience
13+ Years of Experience
For Book An Appointment,
Call Us Now
8690099711, 0141 3533521
2/154, B2 Bypass Rd, SFS Manasarovar, Jaipur Mob 8690099711, 0141 3533521

नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं
काबरा आई हॉस्पिटल
सोडाला में
चश्मा हटाने की नई Touch Free लेजर
CustomEyes
SCHWIND AMARIS
काबरा आई हॉस्पिटल
नेत्र रोगों का सम्पूर्ण इलाज | स्त्री रोगों एवं शिशु रोगों का इलाज
जमुना नगर, सोडाला, अजमेर रोड, जयपुर
फोन 9887469598,9529888000

SHIV AASHISH INTERIOR
Kitchens, Wardrobes, Accessories, Appliances
Ashok Gajrawat
M - 9828660300

नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं
राज कान नाक गला अस्पताल
RAJ ENT HOSPITAL
मॉडर्न तकनीक. सटीक उपचार.
RGHS पंजीकृत हॉस्पिटल
Cochlear इंप्लांट
कान का बिना चीरे के ऑपरेशन की सुविधा
कैंसर का इलाज
कैशलेस उपचार की सुविधा
एस एफ एस चौराहा, बी-2 बाईपास रोड़, मानसरोवर, जयपुर
0141-4921093
7412012012

PINK STAR HOSPITAL
राजस्थान के सुप्रसिद्ध, विश्वसनीय और अनुभवी
न्यूरोसर्जन डॉ. राजवेंद्र सिंह चौधरी
की सेवाएं अब जयपुर में
अगर आपको न्यूरो से सम्बंधित कोई भी समस्या है तो आज ही सम्पर्क करे
डॉ. राजवेंद्र सिंह चौधरी
Senior Consultant Neurosurgeon
(Brain and Spine Surgeon)
(Director)
5,6 Hanuman City, Opposite New Havell Hotel Mangyawas Mansarovar extension, Jaipur
Mob - 907977982, 829090226, 0141 2991001

नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं
SHRI HOSPITAL
Dr. GOPAL KHANDELWAL
(MD Medicine)
Dr. Manju Khandelwal
(MS Gynae)
Approved Hospital With Saras, Alankit, JVVNL, RRVPNL, PNB Etc & with Insurance Co.'s
4 Vishnupuri, Jagatpura Road, Jaipur Ph: 2752880

नवरात्रों की शुभकामनाएं
डॉ. एम.के. गुप्ता (एम.डी.)
एलर्जी एवं चेस्ट स्पेशलिस्ट
आँच
एलर्जी अस्थमा एवं चेस्ट हॉस्पिटल
K-32 इनकम टेक्स कॉलोनी, एस.एल.मार्ग, दुर्गापुरा, टोंक रोड जयपुर
फोन 9950808583, मो. 9799120333
EMPANELED : JDA, Rajasthan University, JVVNL, RTDC, RCDF

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रमन अग्रवाल द्वारा 170/ 3, रामगली राजापार्क के लिए जयपुर से प्रकाशित एवं मोहन शर्मा एंड कंपनी प्रा. लि., ए-10, सुदर्शनपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर से मुद्रित। सम्पादक : रमन अग्रवाल, सह सम्पादक - मीना अग्रवाल, 9829066272